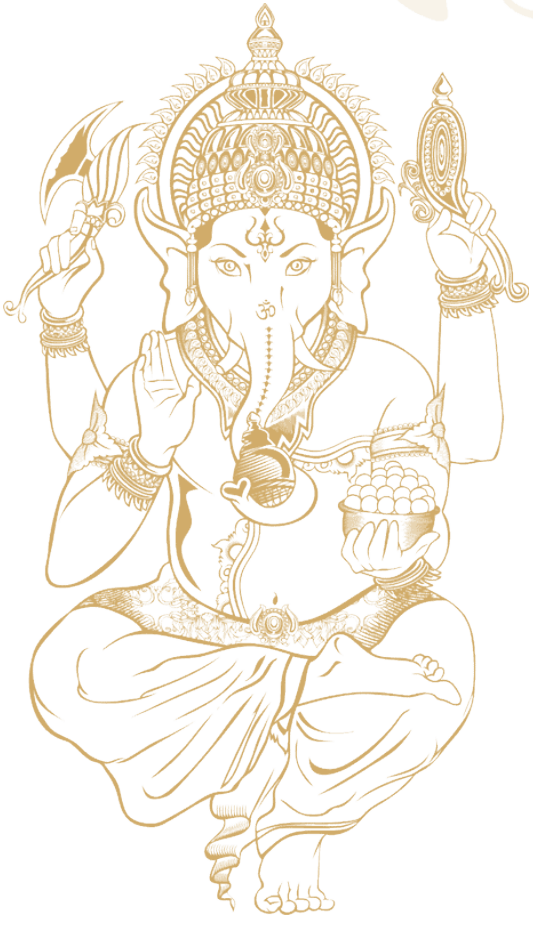

# Deepk pandit

04 May 1986

09:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121203503

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **04/05/1986** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **21:10:00 घंटे** |
| इष्ट | 38:48:37 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 20:48:52 घंटे |
| वेलान्तर | 00:03:12 घंटे |
| साम्पातिक काल | 11:37:47 घंटे |
| सूर्योदय | 05:38:33 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:57:49 घंटे |
| दिनमान | 13:19:16 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | ग्रीष्म |
| सूर्य के अंश | 20:12:44 मेष |
| लग्न के अंश | 19:14:16 वृश्चिक |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | वृश्चिक - मंगल |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०भाद्रपद - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| योग | वैधृति |
| करण | कौलव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | सिंह |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | दी-दीपांकर |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृश्चि | 19:14:16 | 312:31:50 | ज्येष्ठा | 1 | 18 | मंगल | बुध | केतु | --- |
| सूर्य | | | मेष | 20:12:44 | 00:58:10 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | गुरु | उच्च राशि |
| चंद्र | | | मीन | 02:31:08 | 12:30:27 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | सम राशि |
| मंगल | | | धनु | 22:43:28 | 00:20:37 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | मित्र राशि |
| बुध | | | मेष | 01:15:00 | 01:43:39 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | शुक्र | सम राशि |
| गुरु | | | कुंभ | 22:21:12 | 00:10:44 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | शनि | सम राशि |
| शुक्र | | | वृष | 15:53:35 | 01:12:51 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | शनि | स्वराशि |
| शनि | व | | वृश्चि | 14:24:27 | 00:03:51 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | शत्रु राशि |
| राहु | | | मेष | 06:18:49 | 00:01:21 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | शत्रु राशि |
| केतु | | | तुला | 06:18:49 | 00:01:21 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | चंद्र | सम राशि |
| हर्ष | व | | वृश्चि | 28:07:16 | 00:01:45 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | --- |
| नेप | व | | धनु | 11:57:10 | 00:00:50 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | --- |
| प्लूटो | व | | तुला | 12:04:50 | 00:01:41 | स्वाति | 2 | 15 | शुक्र | राहु | शनि | --- |
| दशम भाव | | | कन्या | 00:17:08 | -- | उ०फाल्गुनी | -- | 12 | बुध | सूर्य | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:49

## लग्न-चलित

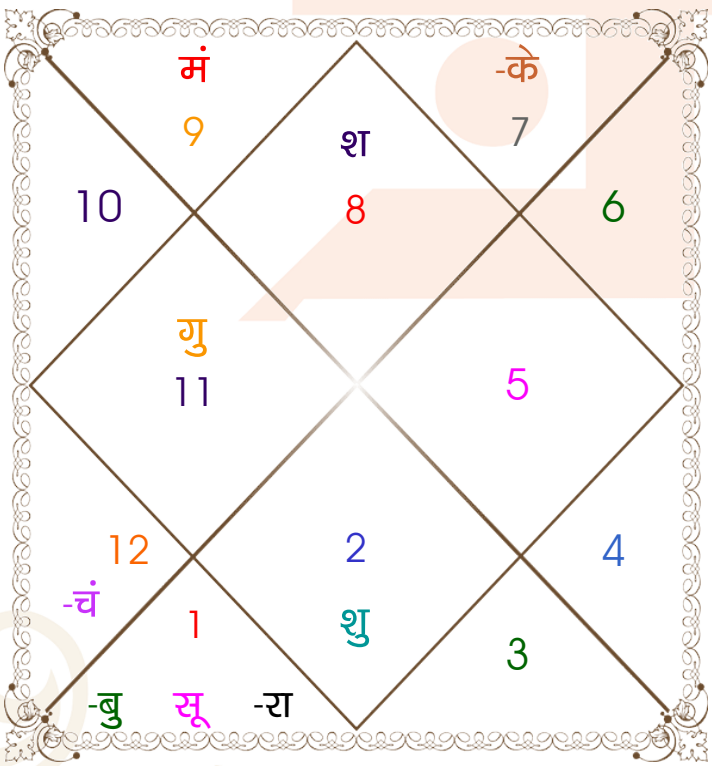


## चन्द्र कुंडली

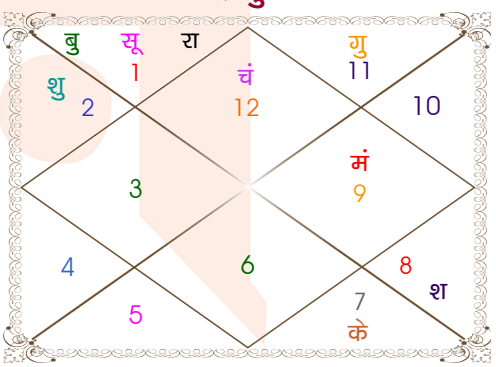


## नवमांश कुंडली

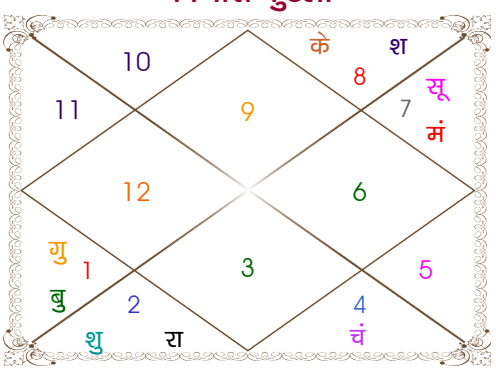

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 11 मास 22 दिन

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/05/1986 | | 26/04/1987 | | 26/04/2006 | | 26/04/2023 | | 26/04/2030 | |
| 26/04/1987 | | 26/04/2006 | | 26/04/2023 | | 26/04/2030 | | 26/04/2050 | |
| | 00/00/0000 | शनि | 29/04/1990 | बुध | 22/09/2008 | केतु | 23/09/2023 | शुक्र | 26/08/2033 |
| | 00/00/0000 | बुध | 06/01/1993 | केतु | 19/09/2009 | शुक्र | 22/11/2024 | सूर्य | 26/08/2034 |
| | 00/00/0000 | केतु | 15/02/1994 | शुक्र | 20/07/2012 | सूर्य | 30/03/2025 | चंद्र | 26/04/2036 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 17/04/1997 | सूर्य | 26/05/2013 | चंद्र | 29/10/2025 | मंगल | 26/06/2037 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 30/03/1998 | चंद्र | 26/10/2014 | मंगल | 27/03/2026 | राहु | 26/06/2040 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 29/10/1999 | मंगल | 23/10/2015 | राहु | 14/04/2027 | गुरु | 25/02/2043 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 07/12/2000 | राहु | 11/05/2018 | गुरु | 20/03/2028 | शनि | 26/04/2046 |
| | 04/05/1986 | राहु | 14/10/2003 | गुरु | 16/08/2020 | शनि | 29/04/2029 | बुध | 24/02/2049 |
| राहु | 26/04/1987 | गुरु | 26/04/2006 | शनि | 26/04/2023 | बुध | 26/04/2030 | केतु | 26/04/2050 |

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26/04/2050 | | 26/04/2056 | | 26/04/2066 | | 26/04/2073 | | 26/04/2091 | |
| 26/04/2056 | | 26/04/2066 | | 26/04/2073 | | 26/04/2091 | | 05/05/2106 | |
| सूर्य | 14/08/2050 | चंद्र | 24/02/2057 | मंगल | 22/09/2066 | राहु | 07/01/2076 | गुरु | 14/06/2093 |
| चंद्र | 12/02/2051 | मंगल | 25/09/2057 | राहु | 11/10/2067 | गुरु | 02/06/2078 | शनि | 26/12/2095 |
| मंगल | 20/06/2051 | राहु | 27/03/2059 | गुरु | 16/09/2068 | शनि | 08/04/2081 | बुध | 02/04/2098 |
| राहु | 14/05/2052 | गुरु | 26/07/2060 | शनि | 26/10/2069 | बुध | 26/10/2083 | केतु | 09/03/2099 |
| गुरु | 02/03/2053 | शनि | 24/02/2062 | बुध | 23/10/2070 | केतु | 13/11/2084 | शुक्र | 08/11/2101 |
| शनि | 12/02/2054 | बुध | 27/07/2063 | केतु | 21/03/2071 | शुक्र | 13/11/2087 | सूर्य | 27/08/2102 |
| बुध | 20/12/2054 | केतु | 25/02/2064 | शुक्र | 20/05/2072 | सूर्य | 07/10/2088 | चंद्र | 27/12/2103 |
| केतु | 26/04/2055 | शुक्र | 26/10/2065 | सूर्य | 25/09/2072 | चंद्र | 08/04/2090 | मंगल | 02/12/2104 |
| शुक्र | 26/04/2056 | सूर्य | 26/04/2066 | चंद्र | 26/04/2073 | मंगल | 26/04/2091 | राहु | 05/05/2106 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।